a2zpapers.com

Exam. Code : 108003
Subject Code : 1946

B.A. (Hons.) 3rd Semester

HINDI (Adhunik Kavya & Kavya Natak)

Time Allowed—3 Hours] [Maximum Marks—100

नोट :— यह प्रश्न-पत्र **चार** भागों में विभाजित है। प्रत्येक भाग में से निर्देशानुसार **एक** प्रश्न का उत्तर अनिवार्य है। विद्यार्थी **पाँचवां** प्रश्न किसी भी भाग में से कर सकता है। इस प्रकार कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न के **20** अंक है।

भाग—क

1. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :— 10×2=20

(क) 'धीरे-धीरे' —

मुझे सख्त नफ़रत है
इस शब्द से
धीरे-धीरे की घुन लगता है
अनाज मर जाता है,
धीरे-धीरे ही दीमकें सब कुछ चाट जाती हैं
साहस डर जाता है।
धीरे-धीरे ही विश्वास खो जाता है
संकल्प सो जाता है।

www.a2zpapers.com www.a2zpapers.com
oad free old Question papers gndu, ptu hp board, punjab

a2zpapers.com

(ख) एक सूनी नाव
तट पर लौट आयी।
रोशनी राख-सी
जल में घुली, बह गयी,
बन्द अधरों से कथा
सिमटी नदी कह गयी,
रेत प्यासी
नयन भर लायी।
भींगते अवसाद से
हवा श्लथ हो गयी।

2. (क) अक्सर चाँद जेब में 10×2=20
पड़ा हुआ मिलता है,
सूरज को गिलहरी
पेड़ पर बैठी खाती है,
अक्सर दुनिया
मटर का दाना हो जाती है,
एक हथेली पर
पूरी बस जाती है।

www.a2zpapers.com www.a2zpapers.com
oad free old Question papers gndu, ptu hp board, punjab

a2zpapers.com

(ख) अन्यथा

इसके पूर्व कि
मेरा हर कथन
हर मंथन
हर अभिव्यक्ति
शून्य से टकराकर फिर वापस लौट आए।
उस अनन्त मौन में समा जाना चाहता हूँ जो मृत्यु है।

भाग—ख

3. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :— 10×2=20

(क) यों भूखा होना

कोई बुरी बात नहीं है
दुनिया में सब भूखे होते हैं
सब भूखे .....
— कोई अधिकार और लिप्सा का,
— कोई प्रतिष्ठा का,
— कोई आदेशों का
और कोई धन का भूखा होता है .....
ऐसे लोग अहिंसक कहाते हैं
माँस नहीं खाते
मुद्रा खाते हैं।

www.a2zpapers.com www.a2zpapers.com
oad free old Question papers gndu, ptu hp board, punjab

a2zpapers.com

(ख) आह बन्धु !

शंकर की पीड़ा पर

मन भर-भर आता है।

क्यों आखिर !

क्यों आखिर !

मेरा कुण्ठित विवेक सोच नहीं पाता है ?

क्या इससे त्राण नहीं पाऊँगा ?

यों ही घुट-घुटकर अकुलाऊँगा ?

क्यो मैं भी यों ही मर जाऊँगा ?

सर्वहत : (लड़खड़ाते हुए प्रवेश करता है)

हम सब मर जायेंगे एक रोज़

पेट को बजाते

और भूख-भूख चिल्लाते।

4. (क) देवत्व और आदर्शों का परिधान ओढ़ 10×2=20

मैंने क्या पाया ?

निर्वासन।

प्रेयसि-वियोग !!

www.a2zpapers.com www.a2zpapers.com
oad free old Question papers gndu, ptu hp board, punjab

a2zpapers.com

(क्षण भर थककर)

मैं ऊब चुका हूँ
इस महिमा - मण्डित छल से,
अब मुझे स्वयं का
वास्तव सत्य पकड़ना है,
जिन आदर्शों ने
मुझे छला है कई बार
मेरा सुख लूटा है
अब उनसे लड़ना है।

(फटकारते हुए)

बोलो
क्यों आये थे ?
क्या और अपेक्षित है ?

(ख) किन्तु बताओ तो कुबेर
क्या मोह
ज्ञान को,
इतना अंधा कर देता है,
जोकि मृत्यु को भी हम

www.a2zpapers.com www.a2zpapers.com
oad free old Question papers gndu, ptu hp board, punjab

a2zpapers.com

सत्य नहीं कहते हैं।

परिवर्तन पर होते

विक्षुब्ध हृदय में

सुन्दर और सनातन कहकर

शव से ही चिपके रहते हैं।

कुबेर :

शायद ऐसा ही होता है।

इसीलिए संभवत: जग में

जब परम्परा का खण्डन कर

कोई नया मूल्य उठता है —

लोग उसे मिथ्या कहते हैं।

और जहाँ तक, जब तक संभव हो पाता है

मृत परम्परा के शव से चिपके रहते हैं।

भाग—ग

5. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना के काव्य की प्रमुख विशेषताओं को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। 20

6. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना के काव्य में निरूपित मध्यवर्गीय चेतना पर प्रकाश डालिए। 20

www.a2zpapers.com www.a2zpapers.com
oad free old Question papers gndu, ptu hp board, punjab

a2zpapers.com

भाग—घ

7. 'एक कंठ विषपायी' के आधुनिक संदर्भों की व्याख्या कीजिए। 20

8. दुष्यंत कुमार के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालिए। 20

www.a2zpapers.com www.a2zpapers.com
oad free old Question papers gndu, ptu hp board, punjab